ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 12-03-2024

भोजपुर(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-03-12 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-03-13	2024-03-14	2024-03-15	2024-03-16	2024-03-17
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	32.0	32.0	32.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	16.0	15.0	16.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	85	80	80	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	45	40	35	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	12	14	12	10	12
पवन दिशा (डिग्री)	290	280	290	280	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	3	2	2	3

मौसम सारांश / चेतावनी:

• भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 13-17 मार्च के दौरान आसमान में हल्के बादल छाए रह सकते हैं एवं मौसम शुष्क रहने का अनुमान हैं । • अधिकतम तापमान एवं न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेंटीग्रेड की वृद्धि होने का अनुमान है। अधिकतम तापमान 33-34 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 17-19 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है । • सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 35 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है। • पूर्वानुमान की अवधि में 10-12 किमी/घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चल सकती है ।

सामान्य सलाहकार:

पूर्वानुमानित अवधि में मौसम के शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए सरसों की कटनी, दौनी एवं सुखाने के कार्य को उच्च प्राथमिकता देकर समाप्त करें। आलू की खुदाई कर भंडारित करे। रवी मक्का की धनबाल व मोचा निकलने से दाना बनने की अवस्था वाली फसल में पर्याप्त नमी बनाए रखें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी शुष्क मौसम को देखते हुए सरसों की कटनी तथा दौनी एवं आलू की खुदाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	शुष्क मौसम एवं तापमान में वृद्धि के कारण थ्रिप्स कीट का प्रकोप हो सकता है। यह आकार में अतिसुक्ष्म होता है तथा पत्तियों की सतह पर चिपक कर रस चुसते है जिससे पत्तियों का ऊपरी हिस्सा टेढ़ा-मेढा हो जाता है। पत्तियों पर दाग सा दिखाई देता है जो बाद में हल्के सफेद हो जाते है। जिससे उपज में काफी कमी आती है। थ्रीप्स की संख्या फसल में अधिक पाये जाने पर प्रोफेनोफास 50 ई0सी0 दवा का 1.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का 1.0मि.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। प्याज की फसल में खर-पतवार निकालें। फसल में 10 से 12 दिनों पर लगातार सिंचाई करें।
लौकी	लौकी की अर्का बहार, काशी कोमल, काशी गंगा, पूसा समर, प्रोलिफिक लाँग, पूसा मेद्यदूत, पूसा मंजरी, पूसा नवीन किस्मों की बुआई करें। तरबूज की अर्का मानिक, दुर्गापुर मधु, सुगरबेली, अर्का ज्योती (संकर) तथा खरबूज की अर्का जीत, अर्का राजहंस, पूसा शर्बती किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में 20-25 टन गोबर की खाद, 30 किलोग्राम नेत्रजन, 50 किलोग्राम फॉसफोरस, 40 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें।
भिण्डी	अगात बोयी गई भिण्डी की फसल में लीफ हॉपर (जैसिड) कीट की निगरानी करें। यह हरे रंग का कीट दिखने में सुक्ष्म होता है। भिंडी की खेत में घुसते ही यह कीट भिंडी के पौधे के पास से समूह में उड़ते हुए देखा जा सकते है। इसके शिशु व प्रौढ दोनो भिण्डी की पत्तियों के निचले हिस्से में रहते है और पत्तों का रस चुसते है जिसके फलस्वरूप पत्तियॉ किनारे से पिली होकर सिकुड़ती है तथा प्यालानुमा आकार बनाकर धीरे धीरे सुखने लगती है। फलन प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	दुधारू पशु को खुरपका-मुहपका रोग से बचाव के लिए टिकाकरण करायें। पशुओं के बाहय एवं अंतः परजीवी नियंत्रण के लिए आइवरमेक्टीन का प्रयोग करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
कृषि क्षेत्र	गरमा फसल की बुआई से पूर्व मिट्टी में पर्याप्त नमी की जाँच अवश्य कर लें। नमी के अभाव में बीजो का अंकुरण प्रभावित हो सकता है फलतः पौधों की संख्या में आयी कमी होने की वजह से उपज प्रभावित होगी।